□□□□□□□□□ □□ □□□:- □□□□□ □□□□□□□ +2 □□□□ □□□□□□□□□ ,□□□□, □□□□□□, □□□□□□ (UDISE:-20240701206)

□□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□:- □□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□

□□□□□□□□□ □□ □□□□□□:- □□□□□□

□□□ □□□□□ □□□□□□□□:- 3290

केस स्टडी करने वाले शिक्षक का नाम:- नवीन कुमार जायसवाल(PGT,MATHS)

उद्देश्य:- परीक्षा को पर्व की तरह बनाना

प्रस्तावना:- मैं झारखंड राज्य के रामगढ़ जिला में अवस्थित राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय गोला का गणित का शिक्षक हूं । मैं यहां PGT(Maths)के पद के कार्यरत हूं, मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की परीक्षा पर चर्चा के कार्यक्रम से बहुत प्रभावित हुआ उनकी एक बात की परीक्षा को भी उत्सव की तरह मनाया जाए ,यह बात मुझे एक नवाचार करने के लिए प्रेरित करने लगी। मैंने यह सोचा की उत्सव का मतलब खुशी और प्राय बच्चे परीक्षा के नाम से डरते हैं और ऐसे esa परीक्षा को उत्सव की तरह कैसे मनाया जाए ?

विषय के प्रति सोच:- मैं क्योंकि गणित का शिक्षक हूं और यह एक ऐसा विषय है जिससे ज्यादातर बच्चे डरते हैं ,तो मैंने सोचा कि आखिर ऐसा क्या किया जाए ताकि परीक्षा और वह भी गणित की परीक्षा देने की प्रति बच्चों का जो डर है उसको खत्म कर सकूं ,तो मेरे दिमाग में एक नवाचार आया, मैंने अपनी कक्षा में जाकर पहले यह पता किया, क्या ऐसा भी कोई बच्चा है जिसका गणित में एक भी ikB (CHAPTER) में रुचि नहीं है तो पता चला कि ऐसी बात नहीं है प्रत्येक बच्चे का कम से कम एक या दो ikB (CHAPTER) ऐसा जरूर है जो उसे बहुत अच्छा लगता हैं।

कार्यविधि:- मैंने एक बात सोची की इस बार परीक्षा में अपने अनुसार नहीं लूंगा इस बार मैंने परीक्षा देने की स्वतंत्रता बच्चों को दे दी , छात्र-छात्राओं से कहा कि इस बार तुम्हें एक ikB (CHAPTER) की परीक्षा देनी है लेकिन वह ikB (CHAPTER) तुम्हारे मनपसंद का होगा यानी TEST OF MY CHOICE । इस तरह से बच्चों ने अपना-अपना ikB (CHAPTER)

बता दिया तो ऐसा पाया गया कि एक ikB (CHAPTER) में लगभग चार- पांच लोग आने लगे मैंने कुछ दिनों का समय ले लिया और प्रत्येक ikB (CHAPTER) से प्रश्न पत्र तैयार किया , प्रश्न ऐसे हो कि जो बच्चे बना भी सके और कुछ प्रश्न ऐसे भी हो जो उनको सोचने के लिए मजबूर करें ,क्योंकि यह परीक्षा अपने मनपसंद ikB (CHAPTER) की थी इसलिए अन्य ikB (CHAPTER) की तुलना में उनका ifj.kke (RESULT) बेहतर रहा। मैंने सबको उनका परिणाम (RESULT) बता दिया, बच्चे काफी खुश हुए क्योंकि उनको अच्छा नंबर आया यह अलग बात है कि वह परीक्षा उन्होंने अपने मनपसंद ikB (CHAPTER) पर दिए थे फिर भी वह उनको ऐसा लगा कि मेरा नंबर अपेक्षाकृत अच्छा है, यह उत्साह मेरे बहुत काम आया। मैंने पाया है कि बच्चों को जिस fo'k; (SUBJECT) में ज्यादा नंबर आता है बच्चे उस विषय को पढ़ना भी ज्यादा पसंद करते हैं तो मैं उनके उत्साह को एक दूसरे दिशा में मोड़ने का प्रयास किया अब मैंने एक ikB (CHAPTER) को सेलेक्ट कर लिया और उस ikB (CHAPTER) से जितने भी बच्चे ijh{kk (EXAM) दिए हैं उनमें से टॉप 3 बच्चों को pqu fy;k और पूरे क्लास को अलग-अलग ग्रुप में बाँट कर ,इन तीनों को उन ग्रुप का लीडर बना दिया और मैंने कहा कि अब मैं इस ikB (CHAPTER) की ijh{kk (EXAM) फिर अगले सप्ताह लूंगा और इस बार तुम्हारी जिम्मेदारी है कि तुम्हें खुद भी ijh{kk (EXAM) देना है और तुम्हारे टीम में जितने बच्चे हैं सबको वह ikB (CHAPTER) इतनी अच्छी तरह से करवा देना है कि तुम्हारे टीम के प्रत्येक बच्चों का परिणाम (RESULT) अच्छा ऐसे करने का उद्देश्य मेरा यह था की पहली बात बच्चों में Hkjkslk (CONFIDENCE) लाना कि कोई कोई ikB (CHAPTER) में मैं भी लीडर बन सकता हूं उसमें एक नेतृत्व क्षमता के गुण का विकास करना और दूसरी बात बहुत सारी शंकाएं ऐसी होती हैं जो बच्चे टीचर से पूछने से संकोच करते हैं लेकिन वह एक दोस्त से बहुत आसान तरीके से पूछ सकते हैं तो जब उनके ग्रुप का लीडर उनके बीच का ही कोई एक बच्चा था तो वह अपने शंकाओं को अच्छी तरह से पूछ सके और उनकी शंका का समाधान हो गया ,साथ ही साथ बच्चों में अपने साथियों को सहयोग करने की भावना का भी विकास हुआ।

दृश्य परिणाम:- **(TOPIC SELECTION FOR TEST)**

(Group Study)

(EXAMINATION)

मार्गदर्शन:- मैंने बताया कि जब तुम अपने मनपसंद ikB (CHAPTER) पर अच्छा परिणाम (RESULT) कर सकते हो तो यानी तुम्हारे अंदर अच्छा करने की क्षमता है तो क्यों नहीं इसी उत्साह के साथ अब उस ikB (CHAPTER) का एग्जाम देना शुरू करो जिसमें तुमसे थोड़ा डर लगता है , मैं तुम्हारी मदद करूंगा। उस ikB (CHAPTER) मैं तुमको दोबारा iqujko`fÙk (REVISION) कराऊंगा और जो भी “kadk (DOUBT) होगा, मुझसे पूछो। धीरे-धीरे बच्चों का यह उत्साह उनका xf.kr (MATHS) में नंबर बढ़ाने में मदद किया।

सफलता:- इसका एक सकारात्मक प्रभाव यह पड़ा की 2022 में जब xf.kr (MATHS) का रिजल्ट आया तो लगभग 145 बच्चे xf.kr (MATHS) ds थे जिसमें एक भी बच्चा vuqÙkhZ.k नहीं हुआ तो यह प्रयास मुझे काफी अच्छा लगा ।

चुनौतियां:- थोड़ा इसमें समय लगता है, फिर भी मैं प्रयास करूंगा कि इसमें और क्या सुधार लाया जाए ताकि उसको और अच्छे प्रभावी ढंग से विद्यालय में उतारा जा सके।